



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 16 फरवरी, 2002/27 मार्च, 1923

हिमाचल प्रदेश सरकार

आबकारी एवं कराधान विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 11 फरवरी, 2002

संख्या ई0 एक्स0 एन0-एफ0 (13) 1/96 (6).—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, का समाधान हो गया है कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, केन्द्रीय विक्रय कर अधिनियम, 1956 (1956 का 74) की धारा 8 की उप-धारा (5) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेश देते हैं कि, मैसर्स इन्डो फार्म ईक्यूपमेंट्स लिमिटेड, बद्दी जिला सोचन द्वारा, अन्तर्राज्यीय व्यापार या वाणिज्य के अनुक्रम में निम्न और बेचे गए ट्रैक्टरों के विक्रय के बारे में, इसके वाणिज्यिक उत्पादन में आने की तारीख से प्रथम पांच वर्ष की अवधि के लिए केन्द्रीय विक्रय कर अधिनियम, 1956 की धारा 8 की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित शर्तों के अधीन कोई कर उद्ग्रहीत नहीं होगा, कि इकाई, :—

- (i) हिमाचल प्रदेश साधारण विक्रय कर अधिनियम, 1968 और केन्द्रीय विक्रय कर अधिनियम, 1956 के अधीन, विक्रय के लिए ट्रैक्टरों का विनिर्माण करने के लिए व्योहारों के रूप में रजिस्ट्रीकृत की गई है।

- (ii) (क) हिमाचल प्रदेश साधारण विक्रय कर अधिनियम 1968  
 (ख) केन्द्रीय विक्रय कर अधिनियम, 1956  
 (ग) सूची, यदि बनाई गई हो, सहित नियम, और इन अधिनियमों के अधीन जारी अधिसूचनाएं और आदेश ;
- (iii) हिमाचल प्रदेश उद्योग विभाग से नई मध्यम/बड़े पैमाने की औद्योगिक इकाई के रूप में रजिस्ट्रीकृत की गई है ;
- (iv) आरम्भ में हिमाचल प्रदेश के स्थायी निवासियों में से इसकी कुल जनशक्ति के कम से कम 400 या 65 प्रतिशत जो भी संख्या में उच्चतर हो, नियोजित किए हो और वाणिज्यिक उत्पादन के आरम्भ की तारीख से तीन वर्ष के पश्चात वार्षिक औसत कम से कम 200 करोड़ हो ;
- (v) भारत सरकार द्वारा मध्यम बड़े पैमाने की औद्योगिक इकाई के रूप में रजिस्ट्रीकृत/अभिस्वीकृत किया हो ;
- (vi) हिमाचल प्रदेश सरकार, आबकारी एवं कराधान की अधिसूचना संख्या ई0 एक्स0 एन0 एफ0 (9)2/99-IV तारीख 23 जुलाई, 1999 द्वारा विहित प्ररूप-1 में हिमाचल प्रदेश सरकार के उद्योग विभाग के जिला उद्योग केन्द्र के महाप्रबन्धक से, जहां औद्योगिक इकाई रजिस्ट्रीकृत की गई है, या अन्य मामले में निदेशक उद्योग विभाग हिमाचल प्रदेश या सम्यक रूप से इस निमित लिखित में प्राधिकृत उसके नाम निर्देशित द्वारा प्रमाण-पत्र प्राप्त किया हो और उस प्रमाण-पत्र को विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत किया हो,
- (vii) और 31-3-2002 को या पूर्व में वाणिज्यिक उत्पादन में आई हो ।

2. इस अधिसूचना के पैरा 1 में किसी बात के अन्तर्विष्ट होते हुए भी उसमें (पैरा-1) अन्तर्विष्ट छूट की रियायत इस अगली शर्त के अध्वधीन होगी कि व्योहारी वास्तव में, पांच वर्ष की अवधि के दौरान उपर्युक्त छूट के अवसान की पश्चातवर्ती छूट के उक्त किन्ही पांच वर्षों में से किसी के दौरान (यदि ऐसी छूट नहीं होती) संदेय केन्द्रीय विक्रय कर की उच्चतर रकम के 50 प्रतिशत से अन्यून केन्द्रीय विक्रय कर संवत्त करता है ।

3. यदि उक्त पैरा 2 में दर्शाया गया मापदण्ड पूर्ण नहीं किया जाता है, तो इकाई को प्रथम पांच वर्षों के लिए भी अनुसूच्य दरों पर केन्द्रीय विक्रय कर का संदाय करना पड़ेगा ।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
 आयुक्त एवं सचिव ।

[Authoritative English text of this Department's Notification No. EXN-F (13) 1/96-VI dated 11th February, 2002 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

## EXCISE AND TAXATION DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-171002, the 11th February, 2002

No. EXN-F (13) 1/96-VI.—Whereas the Governor of Himachal Pradesh is satisfied the it is necessary in public interest so to do.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub section (5) of section 8 of the Central Sales Tax Act, 1956 (Central Act No. 74 of 1956),

the Governor of Himachal Pradesh is pleased to direct that in respect of sale of tractors manufactured and sold in the course of inter-statetrade or commerce by M/s Indo Farm Equipment's Ltd. Baddi, District Solan, no tax shall be levied under sub section (1) of section 8 of Central Sales Tax Act, 1956 for a period of first 5 years from the date of its coming into commercial production subject to the following conditions that the unit:—

- (i) has been registered as a dealer under the H. P. Central Sales Tax Act, 1968 and Central Sales Tax Act, 1956 for manufacturing of tractors for sale ;
- (ii) complies with the provisions of (a) Himachal Pradesh General Sales Tax Act, 1968 (b) the Central Sales Tax Act, 1956, (c) the rules, including the scheme if any made, the notifications and orders issued under these Acts ;
- (iii) has been registered with the Department of Industries of Himachal Pradesh as a new medium/large scale industrial unit ;
- (iv) has employed at least 400 or 65% of its total manpower employment which ever is higher from amongst the bonafide-Himachalis from the begining and has annual turnover of atleast 200 crores after three years from the date of commencement of commercial production ;
- (v) has registered/acknowledged by the Government of India as a medium/large scale industrial unit;
- (vi) has obtained a certificate in form I, prescribed by the Himachal Government, Excise and Taxation Department Notification No. EXN-F (9) 2/99-IV, dated 23rd July, 1999 from the General Manager, District Industries Centre of the Department of the Industries of the Government of Himachal Pradesh where the industrial unit is registered or in other case from the Director of Industries, Himachal Pradesh or his nominee may duly authorised in writing in this behalf and has furnished the same certificate to the prescribed authority ;
- (vii) and has come into commercial production on or before 31-3-2002.

2. Notwithstanding anything contained in para 1 of this notification, the concession of exemption contained therein (para 1) shall be subject to the further condition that during a period of five years subsequent to the expiry of the aforesaid exemption, the dealer actually pays Central Sales Tax not less than 50% of the highest amount of Central Sales Tax payable (but for the said exemption) during any of the said five years of exemption.

3. If the criteria indicated in para 2 above is not fulfilled, the unit will have to pay Central Sales Tax as per applicable rates even for the first five years.

By order,

Sd/-

Commissioner-cum-Secretary.

